राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
माध्यमिक पाठ्यक्रम : हिंदुस्तानी संगीत
पाठ 3 : ताल के तत्त्व
कार्यपत्रक -3

1. मात्राओं की समान संख्या युक्त दो तालें लिखिए ।
2. किसी संगीत विधा की बंदिश के समकक्ष ताल के तत्त्व की पहचान कीजिये ।
3. 'ताल वह तल है जिस पर गायन, वादन और नृत्य स्थापित हैं'। इस वाक्य का अपने शब्दों में औचित्य सिद्ध कीजिये ।
4. ऐसे किसी ताल की पहचान कीजिये जिसके सम और खाली एक हों।
5. विभाग समान एवं भिन्न अंतराल के किस प्रकार हो सकते हैं उदाहरणों के माध्यम से स्पष्ट कीजिये।
6. तबले पर बजने वाली ताल की ध्वनि को धा, धिं आदि अक्षरों में परिवर्तित किया जाता है जिन्हें बोल कहते हैं। किसी निर्धारित ताल के बोलों का उदाहरण लिखिए ।
7. 'ताल के माध्यम से गति का आभास होता है'। अपने शब्दों में व्याख्या कीजिये ।
8. ताल की प्रारंभिक मात्रा सम कहलाती है। इसका महत्व स्पष्ट कीजिये ।
9. एक से अधिक खाली युक्त किसी ताल का ठेका लिखिए ।
10. 'ताल जीवन की प्राकृतिक गति को सांकेतिक रूप से रूपांतरित करती है'। इस वाक्य का अपने शब्दों में औचित्य सिद्ध कीजिये ।